

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--- खन्ड 3--- उपखन्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकारियत

PUBLISHED BY AUTHORITY

र्ख• 390] No. 30e] नई हिल्ली, जुड़ेरार, सिलन्बर 1, 1972/भार 0, 1814

N3W DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 1, 1971/BHADRA 10, 1894

इस भाग में भिम्न पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग सकतन के रूप में त्या जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st September 1972

- 8.0. 569(E).—Whereas the Naga National Council (hereinafter referred to as the Council)—
 - (i) has openly declared as its objective the formation of an independent Nagaland, comprising the State of Nagaland and the adjacent Nagainhabited areas of Assam, Manipur and Arunachal Pradesh (hereinafter referred to as the said areas);
 - (ii) has raised an armed force, namely, the so-called Naga Army, and has set up, and is using, the organisations specified in the Schedule below to achieve the said objective and to bring about the secession of the said areas from the Union of India;
 - (iii) is, in furtherance of its objective aforesaid, employing the so-called Nago Army in attacking the Security Forces, the Civil Government and the citizens in the said areas and indulging in acts such as arson, looting, intimidation of the civil population and forcible collection of funds and food-stuffs:
 - (iv) has, to achieve its objective aforesaid, maintained contacts, through the so-called Federal Government of Nagalard with foreign countries, with a view to recurring financial and armed assistance and training facilities for the so-called Naga Army; and

 (v) has instigated, advised and aided certain individuals and groups in the north-eastern region of India, with the object of developing a coordinated insurgency movement to achieve secession of the said region from the Union of India;

And whereas the Central Government is of orinion that for the reasons aforesaid, the Council and the other organisations specified in the Schedule below areunlawful associations;

And whereas the Central Government is further of opinion that because of the repeated acts of violence and attacks of the so-called Naga Army on the Security Forces and on the civil population, it is necessary to declare the Council and the other organisations aforesald to be unlawful with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Uniawful Activities (Prevenion) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares to Naga National Council and the other organisations specified in the Schedule below to be unlawful associations and in exercise of the rowers conferred by the provise to sub-section (3) of that section directs that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

- 1. Federal Government of Nagaland.
- 2. Naga Army.
- 3. Kimhao (Upper House) and Tatar Hoho (Assembly of Representatives).
- 4. Federal Supreme Court and other bodies under it.

[No. F. 1/21/72-Poll(K).]

T. C. A. SRINIVASAVARADAN, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

अधिसूपना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1972

सा • मा • 56 9 (भ) .---पत: नागा राष्ट्री र परिषद (जो इपके द्वारा परिषद के के क्य में निर्दिष्ट है)--

- (i) ने नागानैण्ड राज्य और असम मिग्रिंग प्रीय स्वक्तावल प्रदेश (जो इपके बाद उक्त क्षेत्रों हे रूप में विशिष्ट है) हे सनीपवर्ती क्ष में, जिनमें नागारहत हैं, को मिलाकर एक स्वतन्त्र नागालैण्ड बनान के प्रपने उद्देश्य की खुले रूप से घोषणा की है;
- (ii) ने तथाकथित नागा आर्मी नामक एक सशस्त्र बल तैयार किया है धौर नोचे बीगई ब्रागूची में निर्दिष्ट मं 15 गों को स्थानित किया है। धौर वह उक्त उद्देश्य को प्राप्त करने तथा उक्त क्षेत्रों को भारत संघ से भ्रक्षण करन के लिए उनका उपयोग कर रही है;
- (iii) अपने उपर्युक्त उद्देश्य के अनुसरण में, तथाकियत नागा आर्मी को सुरक्षा बलों सिविल सरकार और उसक्षेत्र के नागरिकों पर आक्रमण करने तथा लुटमार आदि करने और स्थानीय सिविल जनता को भयभीत करने और उससे जबरदस्तो धन और शावत गाम से इकट्टा करने के लिए उपयोग कर रही है;
- (iv) ने, उपकृति उद्देश्य को पृति के लिए, तथा कथित फैडरल गवर्नेमेंट प्राफ नागालैण्ड के माध्यम से प्रार्थिक और शस्त्र सर्वधी सद्भायता और तथाकित नागा धार्मी के प्रशिक्षण की मुनिधाएं प्राप्त करने का दिष्ट से विदशों के साथ सम्पर्क बनाये हुए हैं; घोर

(v) ने, उक्त पूर्वी क्षेत्र को भारत संघ से पृथक करने के लिए एक समन्वित धान्योलन कराने के प्रयोजन से उक्त क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों भीर दलों को उकसाया है, उन्हें सलाह दी है और सहायता थी है;

ग्रीर यतः केन्द्रीय सरकार का वह मस है कि उपयुंबत कारणों से परिषद भौर नीचे की श्रनुसची में निर्दिष्ट ग्रन्य संगठन गैर-कानुनी संगठन है;

श्रीर बतः केन्द्रीय सरकार का यह भी कत है कि निरन्तर हिसापूर्ण कार्यो स्नीर भुरक्षा बलों भीर सिविल जनता पर तकाकथित तका धार्मी द्वारा श्राप्त-बार खाक्रमणों के कारण परिषद श्रीर उपर्युक्त श्रन्य संगठनों को तस्काल प्रभावी क्य से गैर-कानुनी घोषित करना श्रावश्यक है;

श्रवः,श्रव गैर-कानुनी गतिविधियां (निरोध) श्रिमिनयम 1967 (1967 का 37) की घारा 3⁴ की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार नागा राष्ट्रीय गरिषद भीर नीचे दो गई श्रव नची में निर्दिष्ट श्रन्य सगठनों को एनदद्वारा गैर-कानृनी संगठन घोषित करती हैं और उस धारा को उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का का प्रयोग करते हुए यह श्रवृदेश देती हैं कि उक्त श्रिधिनयम की धारा 4 के श्रधीन जारी किये जाने वाले किसी श्रावेश की सीमा के प्रध्याधीन रहते हुए यह श्रिधिसूचना भरकारी राज्यक में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होगी।

ग्रन्सची

- फडरल गवर्नमेंट ग्राफ नागालिंध
- 2. नागा ग्रामी
- किमहाशों (ग्रपर हाउस) भौर सातार हो-हो (ग्रसंस्वली ग्राफ रिप्रजेंटेटिय्स)
- फंडरल सुप्रीम कोर्ट भौर उसके मधीनस्थ अन्य निकास।

[सं • फा • 1/21/72-पौल (के)]

टी० सी० ए० श्रीनिवासवरदन, संयुक्त सचिव ।